1

प्रकृति की शोभा

(कविता)

प्रतिध्वनि

"प्रकृति में गहराई से झाँको, और तब तुम प्रत्येक चीज़ बेहतर तरीके से समझोगे।" – अल्बर्ट आइंस्टीन

ध्यान लगाकर जो तुम देखो,
इस जग की सुघराई को।
बात-बात में पाओगे तुम,
ईश्वर की चतुराई को।।

ये सब भाँति-भाँति के पक्षी,
ये सब रंग-बिरंगे फूल।
यह वन, लहलही लता,
वह नवकलिका शोभा की मूल।।

ये नदियाँ, ये झील, सरोवर,
कमलों पर भौंरों की गुंज।
बड़े सुरीले बोलों से यह,
गूँज रही बेलों की कुंज।।

ये पर्वत की रम्य-शिखाएँ,
शोभा-सहित, चढ़ाव-उतार।
निर्मल जल के बहते झरने,
सीमारहित महाविस्तार।।

हर प्रकार की ऋतु का आना,
नित नवीन शोभा के संग।
पाकर समय वनस्पति फलना,
रूप बदलना रंग-बिरंग।।

सूर्य-चन्द्र की शोभा अद्‌भुत,
बारी से आना दिन-रात।
यों अनंत तारा-मंडल से,
सज जाना रजनी का गात।।

यह समुद्र की पृथ्वी तल पर,
छाया तो जलमय विस्तार।
उसमें से मेघों के मंडल,
हो उत्पन्न अनंत अपार।।

गर्जन-तर्जन घन मंडल का,
वर्षा-बिजली का संचार।
सब में दिखे परमेश्वर की,
लीला अद्‌भुत अपरंपार।।

– श्रीधर पाठक

SUB: HINDI 2ND LANG

Date 27/5/2020

Class VI

हिन्दी पाठमाला
आमोदिनी

CH:- प्रकृति की शोभा :

1) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :-

(क) इस संसार की रचना में किसकी चतुराई के दर्शन होते है ?

Ans) इस संसार की रचना में बात-बात में ईश्वर की चतुराई के दर्शन दिखाई देते है ।

(ख) पर्वत की चोटियों की क्या विशेषता है ?

Ans: पर्वत की चोटियाँ कोई भी सीमा के पार बहुत अधिक फैला हुआ है । उनकी ऊँची-ऊँची शिखाएँ पर्वत की शोभा-बढ़ाती है ।

(ग) 'मेघों' के मंडल कहाँ तथा कैसे उत्पन्न होते है ?

Ans) 'मेघों' के मंडल कभी न खत्म होने वाली सौर-मंडल' से उत्पन्न होते है । 'मेघों' के मंडल पृथ्वी के जलाशय के तल यानी समुद्र की विस्तार जल से उत्पन्न होते है ।

(घ) 'वेलों की कुंज' में किसके सुरीले बोल सुनाई देते है ?

Ans) 'वेलों की कुंज' में कमल फूलों पर उड़ते और मंडराते भौरों की गुंज सुनाई देते है । नदियाँ, झील और सरोवर का पानी भी काफी गुंजती है ।

2) सही शब्द चुनकर कविता की पंक्ति पूरी कीजिए :-

(क) ये सब भाँति-भाँति के पक्षी, ये सब रंग-बिरंगी फूल ।

(ख) ये नदियाँ, ये झील, सरोवर, कमलों पर भौरों की गुंज ।

(ग) 'निर्मल जल के बहते झरने', सीमारहित महाविस्तार ।

(घ) ये अनन्त तारा-मंडल से, सज जाना रजनी का गात ।

(ङ) यह समुद्र की पृथ्वी तल पर, छाया तो जलमय विस्तार ।

3) सही उत्तर पर (✓) चिह्न लगाइए :-

(क) प्रस्तुत कविता किसके द्वारा रचित है ?

(i) श्रीधर पाठक [✓] (ii) द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी [ ]

(iii) निराला [ ]

(ख) कमलों पर किसकी गुंज हो रही है ?

(i) तितली की [ ] (ii) भौरें की [✓]

(iii) मोर की [ ]

(ग) ~~सच~~ सूर्य - चन्द्र की शोभा कैसी है ?

(i) अनंत ☐ (ii) अद्भुत ☑

(iii) अपार ☐

(घ) पर्वत की शिखाएँ कैसी हैं ?

(i) रम्य ☑ (ii) नुकीली ☐

(iii) समतल ☐

H.W

1) सही मिलान कीजिए :-

(क) रंग -	(i) चन्द्र
(ख) गूंज -	(ii) तर्जन
(ग) चढ़ाव -	(iii) कुंज
(घ) सूर्य -	(iv) मुंडन
(ङ) तारा -	(v) विहंग (क)
(च) गर्जन -	(vi) उतार

2) निम्नलिखित शब्दों का प्रयोग करके वाक्य बनाइए :-

(i) चतुराई (ii) शोभा (iii) सुरीले (iv) अद्भुत

(v) अनन्त

3) निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए :-

(क) पृथ्वी -

(ख) पर्वत -

(ग) समुद्र